भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2746

सोमवार, 9 मार्च, 2026/18 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में पर्यटन का विकास

2746. श्रीमती जोबा माझीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पश्चिम सिंहभूम जिला प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से झारखंड का एक बहुत समृद्ध जिला है लेकिन इसे देश के पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता नहीं दी गई है; और

(ख) क्या सरकार का पश्चिम सिंहभूम जिले को देश के प्रमुख पर्यटन परिपथों में शामिल करने का विचार है और यदि हां, तो इसके लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय झारखंड में स्थित पर्यटन स्थलों और उत्पादों सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों के महत्व को समझता है।

पर्यटन स्थलों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय एक सतत प्रक्रिया के तहत अपनी विभिन्न योजनाओं, जैसे- स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन 2.0, चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)- स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत एक पहल, तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) आदि के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को योजना दिशानिर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर तथा निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास और पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। झारखंड राज्य में 'स्वदेश दर्शन', 'स्वदेश दर्शन 2.0' और 'प्रशाद' योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)- वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक अपनी पहल के तहत वर्ष 2024-25 में झारखंड के कोडरमा में 34.87 करोड़ रुपये की 'तिलैया में पारिस्थितिकी-पर्यटन विकास' नामक परियोजना को मंजूरी दी है।

*****

अनुबंध

श्रीमती जोबा माझी द्वारा झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में पर्यटन के विकास के संबंध में दिनांक 09.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2746 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

झारखंड राज्य में स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रशाद नामक योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:-

योजना	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रुपये में)**
स्वदेश दर्शन	2018-19	पारिस्थितिकी पर्यटन परिपथ: दलमा-बेतला राष्ट्रीय उद्यान-मिर्चैया-नेतरहाट का विकास	30.44
सीबीडीडी (स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत एक पहल)	2024-25	रामरेखा धाम में पर्यटन अवसंरचना का विकास	18.87
प्रशाद	2018-19	बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर का विकास	36.79

*****